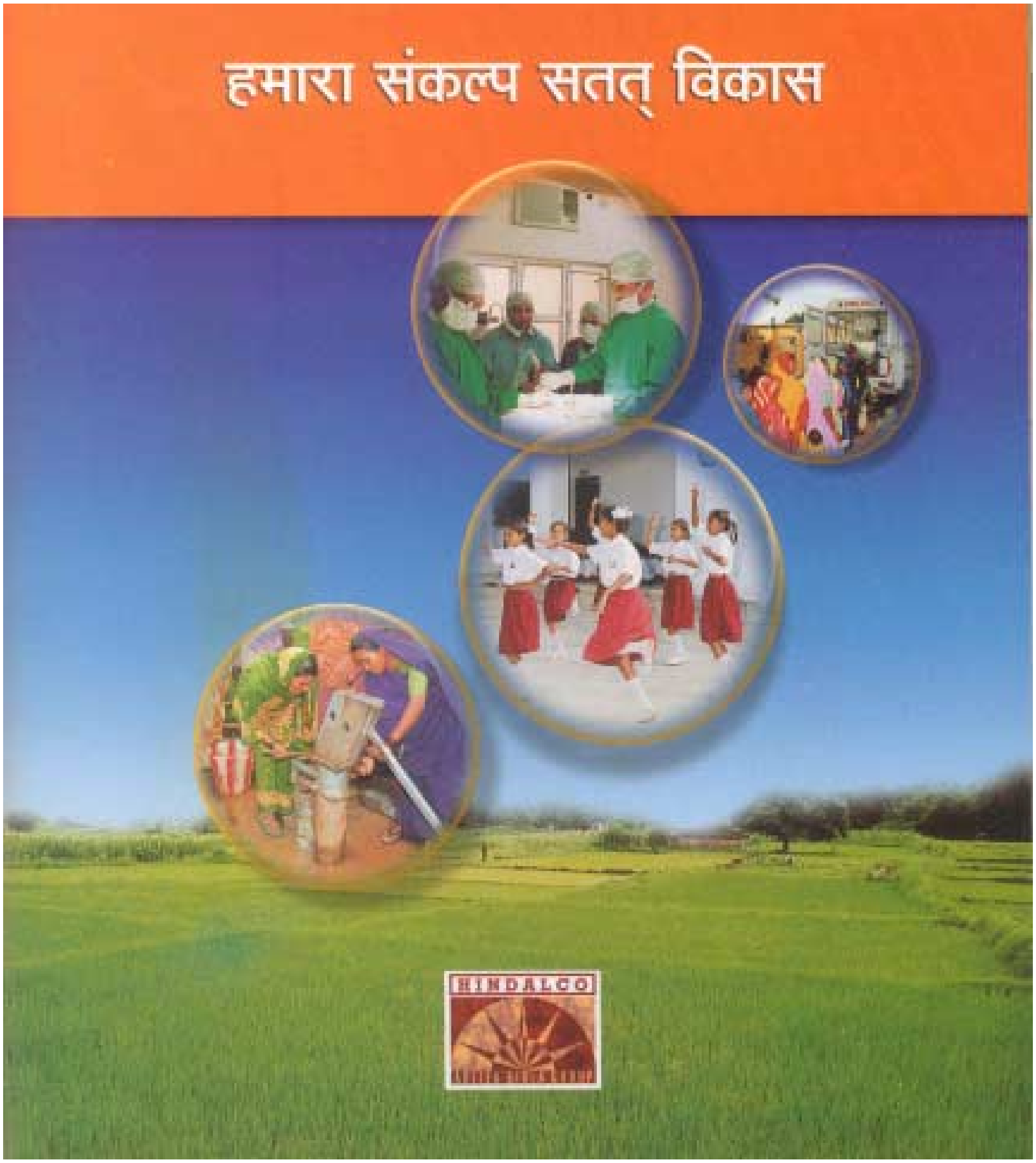
हमारा संकल्प सतत् विकास
HINDALCO

पृष्ठभूमि

हिण्डाल्को अल्युमिनियम उत्पादन के क्षेत्र में विश्व में अग्रणी होने के साथ-साथ अपने कार्यस्थल के आस-पास के क्षेत्रों के समुचित एवम् सर्वांगीण विकास के लिए भी समर्पित है। अतः हिण्डाल्को उत्तर - प्रदेश, झारखण्ड एवम् छत्तीसगढ़ के 345 अत्यन्त पिछड़े गाँवों में कार्य कर रही है और उसके सर्वांगीण विकास के लिये "आदित्य बिड़ला सेन्टर फॉर कम्युनिटी इनिसिटिव्स एण्ड रूरल डेवलपमेंट" के तत्वाधान में अनेक कार्यक्रम संचालित कर रही है।

हिण्डाल्को स्थानीय ग्रामीण तकनीकों को प्रोत्साहित कर ग्रामीणों में निहित क्षमताओं का विकास करने के साथ-साथ, महिलाओं को सशक्तिकरण हेतु अभिप्रेरित एवम् मार्गदर्शित कर, संसाधनविहीन ग्रामीणों को स्वरोजगार हेतु प्रशिक्षित, भूमि एवम् जल का उचित प्रबन्धन कर स्वास्थ्य एवम् परिवार कल्याण सुविधायें मुहैया करा कर तथा संसाधनों का एकरूपता से बँटवारा कर ग्रामीणों के समेकित विकास के लिये निरंतर प्रयासरत है।

दर्शन

उत्प्रेरक की भूमिका में कार्यक्षेत्र के आस-पास रहने वाले समाज के कमजोर वर्गों के जीवन स्तर में सुधार के लिये सामाजिक एवम् सामुदायिक परियोजनाओं में सक्रिय रूप से भाग लेना तथा समाज के लिए उत्तरदायी होना।

लक्ष्य

ग्रामीणों का सर्वांगीण विकास।

संकल्प

आवश्यकता-आधारित पहल एवम् सहभागी निर्णय के अधिकार से वंचित ग्रामीणों का सर्वांगीण विकास करना।

ग्रामीण विकास विभाग

हिण्डालको के चीफ आफिसर-ऑपरेशन्स, श्री पी. बालकृष्णन के नेतृत्व एवम् दिशा-निर्देशन में अनुभवी एवम् समर्पित प्रोफेशनलों से सुसज्जित ग्रामीण विकास विभाग शुरुआती दौर में मात्र दो गाँवों से विकास कार्य शुरू कर आज 345 अत्यन्त पिछड़े गाँवों में विकास कार्य कर रहा है।

कार्यप्रणाली

- विकास कार्यों में ग्रामीणों की भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु ग्राम विकास समिति का गठन,
- पी.आर.ए. द्वारा आवश्यकताओं का आंकलन एवम् नियोजन
- उपलब्ध संसाधनों का समुचित उपयोग
- गाँव के सर्वांगीण विकास हेतु विभिन्न स्रोतों से संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करना
- सतत् विकास कार्यक्रमों के द्वारा ग्रामीणों को आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास
- ग्रामीण विकास से सम्बन्धित सभी बिन्दुओं पर महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करना
- गुणवत्ता वृद्धि हेतु समय-समय पर उच्च स्तरीय संस्था द्वारा कार्यों का मूल्यांकन कराना

कार्यविधि एवम् उद्देश्य

कार्यविधि	उद्देश्य
उत्प्रेरकीय	आर्थिक आत्मनिर्भरता
समन्वय	भूमि एवम् जल प्रबन्धन
प्रोफेशनल	प्रशिक्षण एवम् शिक्षा
सहभागिता	स्वास्थ्य, जल, स्वच्छता, सामाजिक सुधार, परिवार कल्याण एवं महिला सशक्तिकरण

क्षेत्रीय रूपरेखा

क्र. सं.	प्रभाग	गाँव की जनसंख्या	जनसंख्या			कुल जनसंख्या
			अनु.जाति/ जन जाति	पिछड़ा वर्ग	अन्य	
1.	हिण्डाल्को, रेनुकूट	200	193525	59991	34210	287726
2.	पावर डिवीजन, रेणुसागर	32	43045	40779	29452	113276
3.	खदान, झारखण्ड	73	71792	11426	4918	88136
4.	खदान, छत्तीसगढ़	40	25542	7570	2939	36051
	कुल	**345**	**333904**	**119766**	**58012**	**525189**

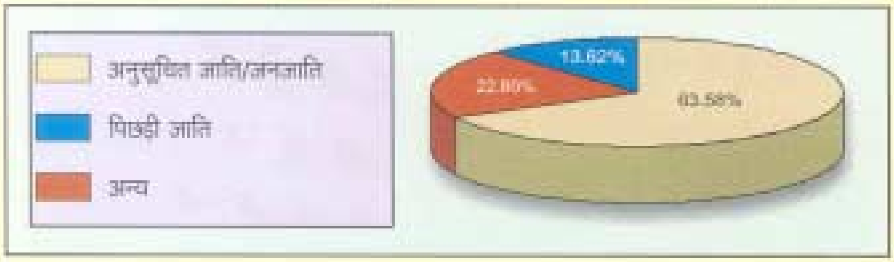

सतत् ग्रामीण विकास के लिए विभिन्न गतिविधियों का कार्यान्वयन सफलतापूर्वक करने हेतु निम्नांकित केन्द्र बिन्दुओं का निर्धारण किया गया है-

- शिक्षा
- स्वास्थ्य एवम् परिवार कल्याण कार्यक्रम
- आर्थिक आत्मनिर्भरता एवं जलछाजन विकास
- आधारभूत संरचना विकास
- सामाजिक सुधार

ग्रामीण विकास कार्यक्रम एवम् गतिविधियाँ

शिक्षा

- औपचारिक एवम् अनौपचारिक शिक्षा की व्यवस्था
- ग्रामीण पुस्तकालय की स्थापना
- महिलाओं एवम् व्यस्कों को संगठित एवम् प्रशिक्षित करना कौशल विकास प्रशिक्षण
- आय सृजन एवम् आयवृद्धि प्रशिक्षण

स्वास्थ्य एवम् परिवार कल्याण कार्यक्रम

- ग्रामीण चिकित्सा शिविर
- मोतियाबिन्द, टी.बी. एवम् कुष्ठ रोगियों का इलाज
- विकलांग शिविर का आयोजन तथा कृत्रिम अंगों का वितरण
- मातृ एवम् शिशु स्वास्थ्य देखभाल
- गर्भवती महिलाओं एवम् बच्चों का टीकाकरण
- यौन संक्रमित रोगों एवम् आर.टी.आई. का उपचार
- किशोर समूह एवम् लैंगिक संवेदनशीलता के प्रति जागरूकता एवम् सलाह कार्यक्रम
- बन्ध्याकरण एवम् बच्चों के बीच की दूरी बनाये रखने की विधियों के लिए अभिप्रेरण

आर्थिक आत्मनिर्भरता एवं जलग्रहण विकास

- लघु सिंचाई
- भूमिगत जलस्तर को कायम रखने के लिए संरचना विकास जलग्रहण प्रबन्धन
- वृक्षारोपण एवम् सामाजिक वानिकी
- आधारभूत संरचना विभाग
- बीज, खाद तथा कीटनाशकों की सामयिक उपलब्धता
- कृषि संबंधी जानकारी एवं मृदा परीक्षण

आधारभूत संरचना विकास

- परिवार कल्याण केन्द्रों का निर्माण
- सामुदायिक भवनों का निर्माण
- विद्यालय भवनों का निर्माण
- नाली का निर्माण
- चबूतरा निर्माण
- छलका, बंधों का निर्माण
- कुँओं का मरम्मत तथा निर्माण
- शौचालयों का निर्माण

सामाजिक सुधार

- लैंगिक समता के लिए जागरूकता कार्यक्रम
- स्वयं-सहायता समूह का गठन एवं
- सामाजिक कुरीतियाँ दूर करने हेतु कठपुतली नृत्य आदि सांस्कृतिक कार्यक्रमों द्वारा जागरूकता अभियान
- सामूहिक पुनर्विवाह एवम् दहेज रहित सामूहिक विवाह का आयोजन

हिण्डालको ग्रामीण विकास विभाग सामुदायिक सहभागिता के आधार पर विभिन्न सरकारी एवम् गैर सरकारी संस्थाओं के साथ समन्वय स्थापित कर उत्प्रेरक की भूमिका में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करता है।

HINDALCO

हिण्डालको इन्डस्ट्रीज़ लिमिटेड

मुख्य कार्यालय एवं वर्क्स :
पो०ऑ० रेणुकूट-231 217, जिला सोनभद्र (उ०प्र०) भारत
फोन : (91-5446) 252077-79, 254791, फैक्स (91-5446) 252107, 252427
ई-मेल : hindalco.rkt@adityabirla.com